एक विश्वासी के रूप में यह जानना आवश्यक है कि अंत समय में क्या- क्या घटनाएँ घटेंगी और परमेश्वर ने भविष्य के जीवन के बारे में क्या वादे किए हैं।

अंतिम समय पेंतेकोस्त के दिन से ही शुरू हो गया था, जब पवित्र आत्मा समस्त मानवजाति पर उंडेला गया। यह समय आज तक चल रहा है और तब तक चलेगा जब तक मसीह महिमा के साथ दूसरी बार पृथ्वी पर प्रकट होकर न्याय और अपना शाश्वत राज्य स्थापित नहीं करता।

यह निर्विवाद सत्य है कि हम वास्तव में अंतिम समय के अंतिम छोर पर जी रहे हैं। यद्यपि बाइबल कोई दिन और तारीख नहीं बताती, लेकिन यह हमें स्पष्ट संकेत और चेतावनियाँ देती है कि हम जागरूक और आशान्वित बने रहें।

“उस दिन और उस घड़ी के विषय में कोई नहीं जानता, न तो स्वर्ग
के दूत, न पुत्र, परन्तु केवल पिता।”
— मत्ती 24:36

अंतिम समय और एक नए विश्वासी के लिए महिमा की आशा

1) अंतिम समय की कुछ प्रमुख घटनाएँ:

सारे राष्ट्रों में सुसमाचार का प्रचार

“और राज्य का यह सुसमाचार सारी पृथ्वी पर प्रचार किया जाएगा, कि सब जातियों के लिये गवाही हो; तब अंत होगा।”
— मत्ती 24:14

महाकष्ट — भारी दुःख और परीक्षा का समय

— मत्ती 24:21; प्रकाशितवाक्य 13

दुष्टता और विद्रोह की वृद्धि

अंतिम समय और एक नए विश्वासी के लिए महिमा की आशा

— 2 थिस्सलुनीकियों 2:3

मसीह-विरोधी का प्रकट होना

— 1 यूहन्ना 2:18; 2 थिस्सलुनीकियों 2:4

यीशु का महिमा के साथ पुनरागमन

— मत्ती 24:30

मरे हुओं का पुनरुत्थान और अंतिम न्याय

— यूहन्ना 5:28-29

अंतिम समय और एक नए विश्वासी के लिए महिमा की आशा

इन घटनाओं से यह स्पष्ट है कि इतिहास परमेश्वर द्वारा ठहराए गए अंत की ओर बढ़ रहा है।

2) यीशु मसीह का पुनरागमन

यीशु ने वादा किया कि वह फिर से आएगा — यह वापसी गुप्त नहीं होगी, बल्कि महिमा, सामर्थ्य और न्याय के साथ होगी।

“यह यीशु जो तुम्हारे बीच से स्वर्ग में उठा लिया गया है,
जैसे तुम उसे स्वर्ग की ओर जाते देख रहे हो, वैसे ही वह फिर आएगा।”
— प्रेरितों के काम 1:11

उसकी वापसी की विशेषताएँ:

सभी लोग उसे देखेंगे

— प्रकाशितवाक्य 1:7

अंतिम समय और एक नए विश्वासी के लिए महिमा की आशा

यह अचानक होगा

— मत्ती 24:27

यह महान महिमा के साथ होगा

— मत्ती 24:30

वह स्वर्गदूतों और अपने पवित्र जनों के साथ आएगा

— 1 थिस्सलुनीकियों 3:13

उस दिन:

अंतिम समय और एक नए विश्वासी के लिए महिमा की आशा

सारी दुष्टता का नाश होगा

— 2 थिस्सलुनीकियों 1:7–10

शैतान का न्याय होगा

— प्रकाशितवाक्य 20:10

परमेश्वर का राज्य पूर्ण रूप से प्रकट होगा

— प्रकाशितवाक्य 11:15

अंतिम समय और एक नए विश्वासी के लिए महिमा की आशा

3) महिमा की आशा

यह कोई अनिश्चित या काल्पनिक आशा नहीं है — यह परमेश्वर के वचनों पर आधारित स्थिर और सच्ची आशा है।

“मसीह तुम में है — महिमा की आशा।”
— कुलुस्सियों 1:27

“महिमा” का क्या अर्थ है?

बाइबल के अनुसार:

परमेश्वर की प्रत्यक्ष उपस्थिति

— निर्गमन 33:18–20

उसकी पूर्ण और महान पवित्रता

अंतिम समय और एक नए विश्वासी के लिए महिमा की आशा

— यशायाह 6:3

विश्वासियों की अंतिम अवस्था — मसीह के स्वरूप में रूपांतरित होना

— रोमियों 8:17; 2 कुरिन्थियों 3:18

4) एक विश्वासी की प्रतीक्षा में क्या है?

i) महिमा का शरीर

“एक ही क्षण में, पलक झपकते ही, अंतिम नरसिंगे के साथ ऐसा होगा। नरसिंगा फूंका जाएगा और मरे हुए अविनाशी रूप में जी उठेंगे और हम बदल जाएंगे।”
— 1 कुरिन्थियों 15:52

□□□ □□□□□□ □□□□, □□□ □□□□ □□□□, □□ □□□□□□ □□□□□ □□ □□□□ □□ □□□□ □□□□□□ □□□□ □□□□ □□ □□□□□□□□□□ □□ □□□ □□ (□□□□□□□□□□□ 3:20–21)□

ii) □□□□□□ □□□□□

□□□□ □□□□□ □□□ □□□□□ □□□□□ □□□□ □□ □□□ (□□□□□□□ 14:2)□ □□□ □□□□□□ □□ □□ □□□□□□ □ □□ □□□□ □□□□□, □ □□□□, □ □□□ □□□□ (□□□□□□□□□□□□□ 21:1–5)□

iii) □□□□□□□□ □□ □□□□-□□□□□ □□□□□

> “□□ □□ □□□□ □□□ □□□□□□□…”
> — □□□□□□□□□□□□□ *22:4*
> “…□□ □□ □□□□□□□□□ □□□□□ □□□□□□□”
> — □□□□□□□□□□□□□ *22:5*

---

5) □□□□□□ □□ □□□□□□ □□ □□□□ □□□□

□ □□□□□□ □□□ □□□

□□□□□□□□ □□□□□□ □□□□ □□ □□□□ □□ □□□ □□□□□□ □□ □□□□ □□ (□□□□ 2:13)□

अंतिम समय और एक नए विश्वासी के लिए महिमा की आशा

→ पश्चाताप में देर न करो, और आत्मिक रूप से आलसी न बनो।

▯ पवित्र जीवन जियो

> “जो कोई उसमें यह आशा रखता है, वह अपने आप को शुद्ध करता है जैसे वह पवित्र है।”
> — *1* यूहन्ना *3:3*

यीशु के पुनरागमन की प्रतीक्षा हमें पवित्रता और आज्ञाकारिता में जीने के लिए प्रेरित करे।

▯ आशा रखो

जान लो कि ये परीक्षाएँ अस्थायी हैं। हमारी आशा आत्मा के लिए एक मजबूत लंगर है।

> — इब्रानियों *6:19*

▯ सुसमाचार का संदेश फैलाओ

अनंतता एक वास्तविकता है। यही कारण है कि हम सुसमाचार प्रचार

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 10

अंतिम समय और एक नए विश्वासी के लिए महिमा की आशा

करते हैं — क्योंकि हर मनुष्य का जीवन अनंत भविष्य से जुड़ा है।

अंतिम विचार:

“और आत्मा और दुल्हिन कहते हैं, ‘आ!’”
— प्रकाशितवाक्य 22:17
“हाँ, आ प्रभु यीशु!”
— प्रकाशितवाक्य 22:20

कलीसिया की आवाज भय की नहीं, बल्कि उत्सुकता की है। अंत समय कोई निराशा नहीं, बल्कि मसीह में होनेवाले सभी लोगों के लिए अनंत महिमा का आरंभ है।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:

अंतिम समय और एक नए विश्वासी के लिए महिमा की आशा

WhatsApp